कृमि से मुक्ति, बच्चों को शक्ति

क्या आप जानते हैं कि कृमि संक्रमण से बच्चों में:

- कुपोषण और खून में कमी होती है, जिसके कारण हमेशा थकावट रहती है
- संपूर्ण शारीरिक और मानसिक विकास में बाधा आ सकती है

कृमि संक्रमण से बचाव के लिए ध्यान दें

नाखून साफ और छोटे रखें

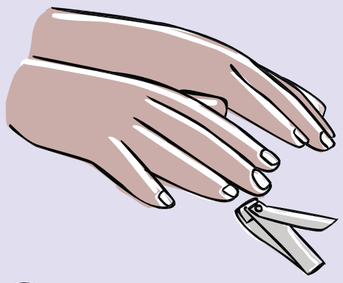

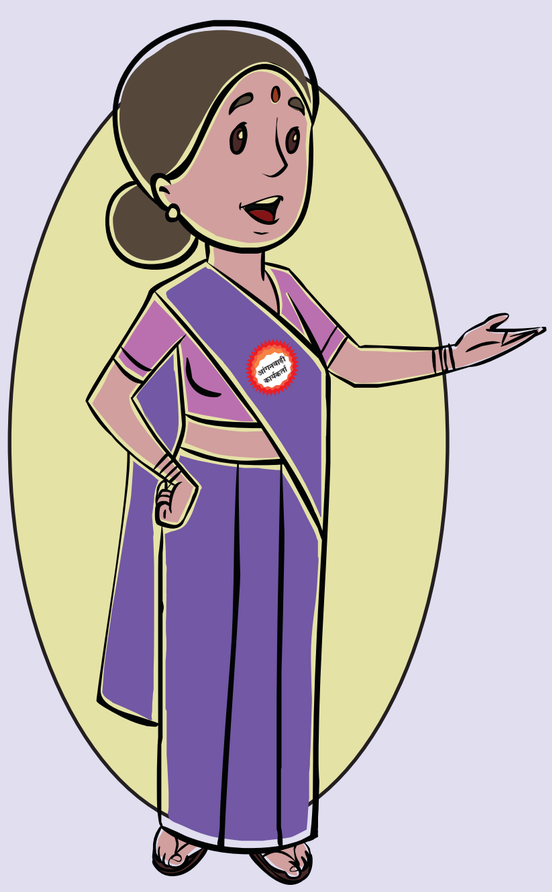

हमेशा साफ पानी पीएँ

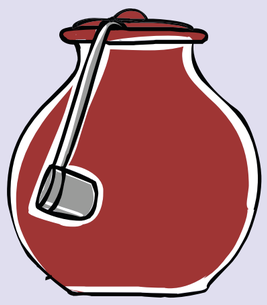

खाने को ढक कर रखें

आस पास सफ़ाई रखें

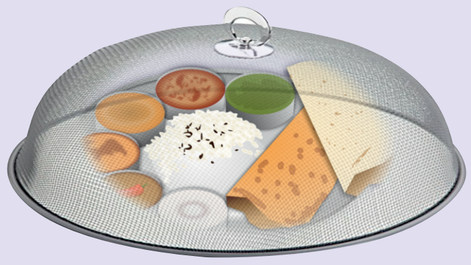

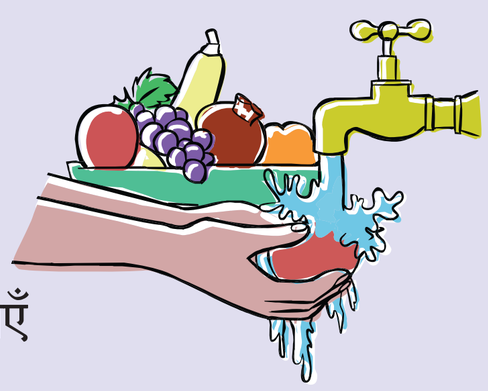

जूते पहनें

साफ पानी में फल व सब्ज़ियाँ धोएँ

अपने हाथ साबुन से धोएँ, विशेषकर खाने से पहले और शौच जाने के बाद

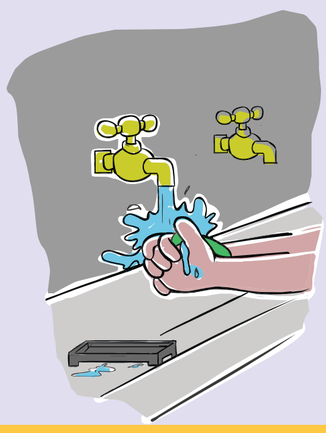

खुले में शौच न करें, हमेशा शौचालय का प्रयोग करें

10 सितम्बर 2016–राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

ध्यान दें:

- 1–19 साल के सभी बच्चों को 10 **सितम्बर** 2016 को नज़दीकी आंगनवाड़ी और स्कूल पर कृमि नियंत्रण की दवाई निःशुल्क खिलवाएं
- जो बच्चे छूट गए हैं उन्हें 17 सितम्बर 2016 को दवाई ज़रूर खिलवाएं
- गैर-पंजीकृत और स्कूल ना जाने वाले बच्चों को भी दवाई आगंवाड़ी केन्द्र पर जरूर खिलवाएं
- यह दवाई बच्चों और बड़ो के लिए सुरक्षित है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/टीचर अपने सामने ही हर बच्चे को दवाई खिलाएँ
- बच्चों को गोली चबाकर खाने के लिए कहें। पीने का पानी साथ रखें।
- जिन बच्चों में कृमि होते हैं, उन्हें दवाई खाने पर मामूली लक्षण जैसे- जी मचलना, पेट में हल्का दर्द, उल्टी, दस्त और थकान महसूस हो सकती है। घबरायें नहीं। प्रतिकूल निति चरणों का पालन करें।
- अधिक जानकारी के लिए अपनी ए.एन.एम/आशा/आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से संपर्क करें
- किसी भी चिकित्सक सहायता के लिए 108 नम्बर पर फोन करें
- अधिक जानकारी के लिए अपने क्षेत्र की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/आशा/एएनएम से सम्पर्क करें।

सत्यमेव जयते | NATIONAL HEALTH MISSION राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन | सिफ्सा SIFPSA | सर्व शिक्षा अभियान सब पढ़ें सब बढ़ें | Evidence Action Deworm the World Initiative